10-06-2023

भारत में मधुमेह (DIABETES)

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च-इंडिया मधुमेह (ICMR-INDAB) द्वारा भारत की मेटाबोलिक गैर-संचारी रोग स्वास्थ्य रिपोर्ट (Metabolic Non Communicable Disease Health Report of India) जारी की गयी।

त्वरित मुद्दा?

- क्रॉस-सेक्शनल जनसंख्या-आधारित सर्वेक्षण में 31 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से 20 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के प्रतिनिधि नमूने का आकलन किया गया।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 11% आबादी मधुमेह से पीड़ित है जबकि 15.3% आबादी पूर्व मधुमेह (Pre-Diabetes) से प्रभावित है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- शहरी भारत में 16.4% जबकि ग्रामीण आबादी में 8.9% जनसंख्या मधुमेह से पीड़ित है।
- शहरी आबादी का लगभग 15.4% और ग्रामीण भारत का 15.2% प्री-डायबिटिक चरण में हैं।
- सभी 31 राज्यों में जनसंख्या के एक यादृच्छिक नमूने में पाया गया कि उत्तर प्रदेश में मधुमेह का प्रसार सबसे कम 4%, जबकि गोवा में सबसे अधिक 26.4% था।
- अध्ययन के परिणाम संबंधित राज्य सरकार के साथ साझा किए जाएंगे ताकि वे जनसंख्या के स्वास्थ्य में सुधार के लिए नीतियां बना सकें।
- वर्ष 1972 के बाद से, देश में मधुमेह के प्रसार पर ICMR का कोई अध्ययन नहीं हुआ है।
- शहरी भारत में 2.3% था और ग्रामीण भारत में 1.5% जनसंख्या मधुमेह से पीड़ित थी।
- यह अध्ययन पूरे देश में वर्ष 2008 और 2020 के बीच पांच चरणों में किया गया था, जिसमें प्रत्येक चरण में पांच राज्यों को शामिल किया गया था (सभी सात पूर्वोत्तर राज्यों को एक चरण में कवर किया गया था)।
- 20 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 1.24 लाख व्यक्तियों को डोर-टू-डोर सर्वेक्षण में शामिल किया गया था।
- मधुमेह एक ऐसी बीमारी है यह तब होती है जब ब्लड ग्लूकोज (रक्त शर्करा) की मात्रा, रक्त में आवश्यकता से बहुत अधिक हो जाती है।
- यह एक दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थिति है जो शरीर द्वारा भोजन को ऊर्जा में बदलने की प्रक्रिया को प्रभावित करती है।

राजनीतिक मंजूरी

समाचार पत्रों में क्यों?

केंद्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि दिल्ली के शिक्षा मंत्री को यूके की यात्रा करने के लिए राजनीतिक मंजूरी दे दी गई है।

त्वरित मुद्दा?

- कैबिनेट सचिवालय और विदेश मंत्रालय को मुख्यमंत्रियों और राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्रों के मंत्रियों की प्रस्तावित आधिकारिक या निजी विदेश यात्रा के बारे में सूचित किया जाना चाहिए। इसके लिए पूर्व राजनीतिक मंजूरी अनिवार्य है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- यह विदेश मंत्रालय से दी जाती है, और न केवल लोक सेवकों के लिए बल्कि किसी भी सरकारी कर्मचारी के लिए आवश्यक है जो विदेश जाना चाहता है। इस मंजूरी के बिना कोई भी लोक सेवक विदेश यात्रा नहीं कर सकता है।
- केंद्रीय मंत्रियों को आधिकारिक और व्यक्तिगत दोनों यात्राओं के लिए विदेश मंत्रालय से राजनीतिक मंजूरी के अलावा प्रधान मंत्री कार्यालय से मंजूरी की आवश्यकता होती है।
- लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों को क्रमशः लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के सभापति से मंजूरी की आवश्यकता होती है, हालांकि सदस्यों को ये मंजूरी केवल यात्रा के आधिकारिक होने पर ही लेनी पड़ती है।
- सरकारी कर्मचारियों के लिए सभी विदेश यात्राएं चाहें वे आधिकारिक हों या व्यक्तिगत अनुमोदन की आवश्यकता होती है।
- संयुक्त सचिव के स्तर तक के अधिकारियों के लिए विदेश मंत्रालय की राजनीतिक मंजूरी के बाद संबंधित मंत्री द्वारा मंजूरी दी जाती है। उस रैंक से ऊपर के अधिकारियों के लिए, सचिवों की एक स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी दी जाती है।
- आधिकारिक यात्राओं के लिए सर्वोच्च न्यायालय या राज्य उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश को भारत के मुख्य न्यायाधीश से मंजूरी प्राप्त करने के बाद केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय में न्याय विभाग को प्रस्ताव भेजना होता है।
- डीओजे विदेश मंत्रालय से और कुछ मामलों में गृह मंत्रालय से राजनीतिक मंजूरी लेने के बाद मंजूरी जारी करता है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा

समाचार पत्रों में क्यों?

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने 8 जून को द्वैमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा प्रस्तुत की। यह वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, दूसरी द्वैमासिक मौद्रिक नीति बैठक थी जो 6 जून से शुरू होकर 8 जून को समाप्त हुई।

त्वरित मुद्दा?

- वर्तमान और विकसित व्यापक आर्थिक स्थिति के आकलन के आधार पर, चलनिधि समायोजन सुविधा (LAF) के तहत नीतिगत रेपो दर को 6.50% पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 6.25% और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर और बैंक दर 6.75% पर अपरिवर्तित बनी हुई है।
- निर्णय विकास का समर्थन करते हुए +/- 2% के एक बैंड के भीतर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के 4% के मध्यम अवधि के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य के अनुरूप हैं।
- मंडी में अच्छी आवक और खरीद से गेहूं की कीमतों में कुछ गिरावट देखने को मिल सकती है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा सामान्य दक्षिण-पश्चिम मानसून का पूर्वानुमान खरीफ फसलों के लिए शुभ संकेत देता है।
- हालांकि, कृषि उत्पादन की संभावनाओं का आकलन करने के लिए मानसून के स्थानिक और अस्थायी वितरण की बारीकी से निगरानी करने की आवश्यकता होगी।
- कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई है लेकिन दृष्टिकोण अनिश्चित बना हुआ है।

मिशन ऑन एडवांस्ड एंड हाई- इम्पैक्ट रिसर्च

समाचार पत्रों में क्यों?

बिजली क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के लिए मिशन ऑन एडवांस्ड एंड हाई-इम्पैक्ट रिसर्च लॉन्च किया गया।

त्वरित मुद्दा?

- ऊर्जा मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने संयुक्त रूप से इस राष्ट्रीय मिशन की शुरुआत की है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- मिशन की दो स्तरीय संरचना होगी : एक तकनीकी स्कोपिंग समिति और एक शीर्ष समिति।
- मिशन के वित्तीय संसाधनों को पूल करके वित्त पोषित किया जाएगा तथा किसी भी अतिरिक्त धन की आवश्यकता भारत सरकार के बजटीय संसाधनों से जुटाई जाएगी।

- मिशन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा जैसे नेट शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना और मेक इन इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया जैसी पहल को बढ़ावा देना।
- यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने में भी योगदान देगा।
- वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों और भविष्य की प्रासंगिकता के क्षेत्रों की पहचान करना और प्रासंगिक प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास को शुरू करना।
- सामूहिक विचार-मंथन, सहक्रियात्मक प्रौद्योगिकी विकास और प्रौद्योगिकी के सुचारू हस्तांतरण के लिए रास्ते तैयार करने के लिए विद्युत क्षेत्र के हितधारकों के लिए एक सामान्य मंच प्रदान करना।
- विद्युत प्रणाली से संबंधित प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों के विकास में हमारे देश को अग्रणी देशों में शामिल करना।

KAUTILYA ACADEMY INDORE